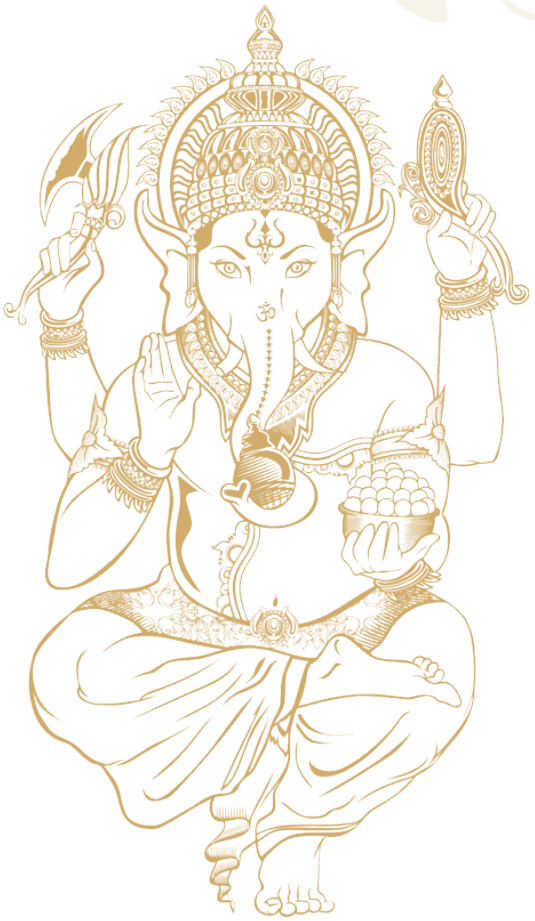

Mr.

10 Jan 2000

04:51 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121225903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/01/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:51:00 घंटे**
इष्ट	24:01:45 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:31:48 घंटे
वेलान्तर	-00:07:13 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:01 घंटे
सूर्योदय	07:14:18 घंटे
सूर्यास्त	17:38:49 घंटे
दिनमान	10:24:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:39:49 धनु
लग्न के अंश	16:09:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:09:58	318:02:32	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	25:39:49	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	06:51:05	12:24:05	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			कुंभ	11:04:07	00:46:30	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	धनु	22:14:07	01:36:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	01:53:55	00:04:13	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	18:36:04	01:13:03	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	सम राशि
शनि	व		मेष	16:26:15	00:00:12	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	09:49:35	00:01:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	09:49:35	00:01:18	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	21:25:25	00:03:14	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:39:57	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:54:19	00:01:57	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मीन	03:08:53	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:13

लग्न-चलित

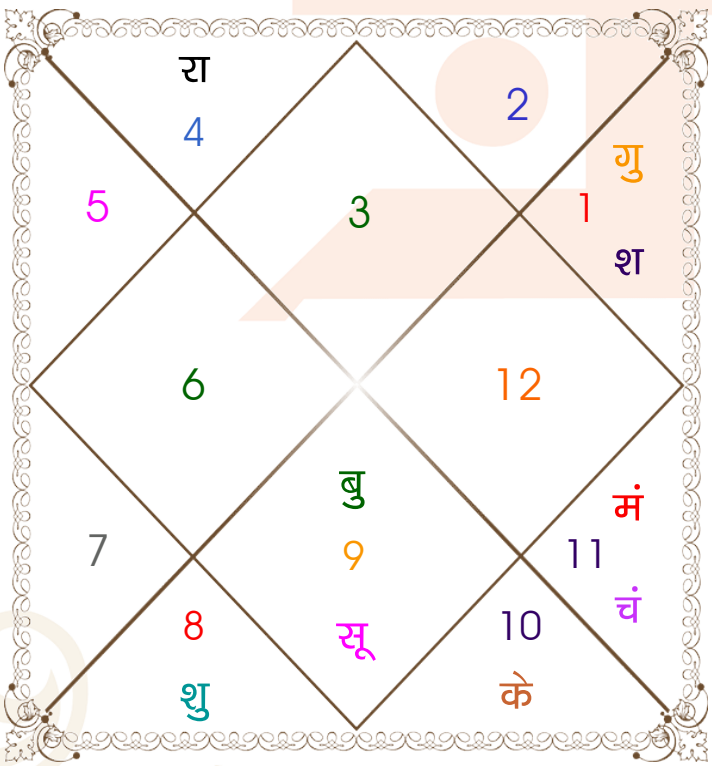

चन्द्र कुंडली

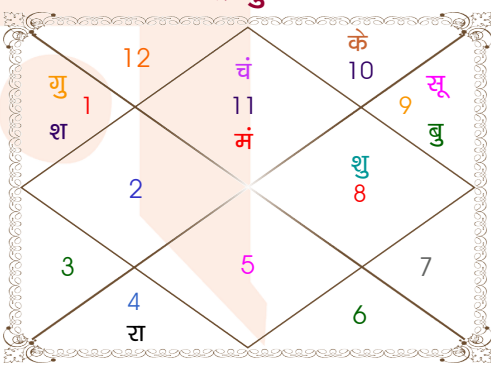

नवमांश कुंडली

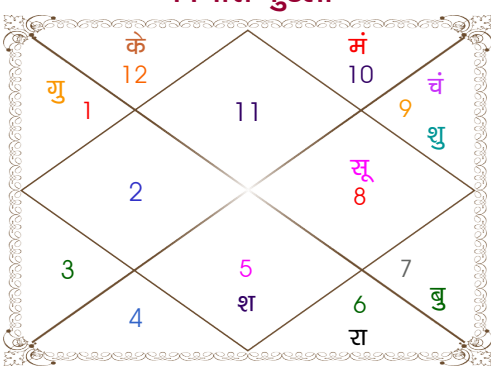

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 9 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/01/2000		11/10/2017		11/10/2033		10/10/2052		11/10/2069	
11/10/2017		11/10/2033		10/10/2052		11/10/2069		10/10/2076	
राहु	23/06/2002	गुरु	29/11/2019	शनि	13/10/2036	बुध	09/03/2055	केतु	09/03/2070
गुरु	16/11/2004	शनि	11/06/2022	बुध	24/06/2039	केतु	05/03/2056	शुक्र	09/05/2071
शनि	23/09/2007	बुध	16/09/2024	केतु	01/08/2040	शुक्र	04/01/2059	सूर्य	14/09/2071
बुध	11/04/2010	केतु	23/08/2025	शुक्र	02/10/2043	सूर्य	11/11/2059	चंद्र	14/04/2072
केतु	30/04/2011	शुक्र	23/04/2028	सूर्य	13/09/2044	चंद्र	11/04/2061	मंगल	10/09/2072
शुक्र	30/04/2014	सूर्य	09/02/2029	चंद्र	14/04/2046	मंगल	08/04/2062	राहु	28/09/2073
सूर्य	24/03/2015	चंद्र	11/06/2030	मंगल	24/05/2047	राहु	26/10/2064	गुरु	04/09/2074
चंद्र	22/09/2016	मंगल	18/05/2031	राहु	30/03/2050	गुरु	31/01/2067	शनि	14/10/2075
मंगल	11/10/2017	राहु	11/10/2033	गुरु	10/10/2052	शनि	11/10/2069	बुध	10/10/2076

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/10/2076		10/10/2096		12/10/2102		11/10/2112		12/10/2119	
10/10/2096		12/10/2102		11/10/2112		12/10/2119		00/00/0000	
शुक्र	10/02/2080	सूर्य	28/01/2097	चंद्र	12/08/2103	मंगल	10/03/2113	राहु	11/01/2120
सूर्य	09/02/2081	चंद्र	30/07/2097	मंगल	12/03/2104	राहु	28/03/2114		00/00/0000
चंद्र	11/10/2082	मंगल	04/12/2097	राहु	11/09/2105	गुरु	04/03/2115		00/00/0000
मंगल	11/12/2083	राहु	29/10/2098	गुरु	11/01/2107	शनि	12/04/2116		00/00/0000
राहु	11/12/2086	गुरु	17/08/2099	शनि	11/08/2108	बुध	09/04/2117		00/00/0000
गुरु	11/08/2089	शनि	30/07/2100	बुध	11/01/2110	केतु	05/09/2117		00/00/0000
शनि	10/10/2092	बुध	06/06/2101	केतु	12/08/2110	शुक्र	05/11/2118		00/00/0000
बुध	11/08/2095	केतु	12/10/2101	शुक्र	12/04/2112	सूर्य	13/03/2119		00/00/0000
केतु	10/10/2096	शुक्र	12/10/2102	सूर्य	11/10/2112	चंद्र	12/10/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 8 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।